राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक पाठ्यक्रम : कर्नाटक संगीत
पाठ 6 : भारतीय वाद्यों का सामान्य वर्गीकरण
कार्यपत्रक - 6

1. 'संगीत वाद्य अमीर और गरीब दोनों के हाथों में देखे जाते थे'। इस वाक्य का औचित्य अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिये ।

2. भारतीय संगीत वाद्यों की एक निजी विशेषता की पहचान कीजिये।

3. .वाद्य निर्माण के लिये प्रसिद्ध कुछ जगहों के नाम लिखिए।

4. भारतीय संगीत में सम्मिलित एक पाश्चात्य वाद्य की पहचान कीजिये।

5. देवी तथा देवताओं से संबंधित दो वाद्यों का उल्लेख कीजिये।

6. संगीत वाद्य बहुत प्राचीन काल से चार प्रकारों में विभाजित थे, यथा 'ततं, अवनद्धं, सुषिरं तथा घनं'। प्रत्येक प्रकार का एक उदाहरण लिखिए ।

7. 'एक भारतीय संगीत सभा में श्रुति वाद्य प्रस्तुति के आरंभ से अंत तक निरंतर बजाया जाता है'। इस क्रिया का उद्देश्य लिखिए ।

8. एक दक्षिण भारतीय तथा एक उत्तर भारतीय तंबुरा की रचना के मध्य एक अंतर लिखिए ।

9. तंबुरा मिलाने के लिये प्रयोग किये जाने वाला स्वरों का क्रम स्पष्ट कीजिये।

10. संगीत वाद्य निर्मित करने के लिये प्रयोग किये जाने वाले दो पदार्थों का उल्लेख कीजिये।